होली खेल रहे नंदलाल-राम अवतार

होली खेल रहे नंदलाल

होली, खेल रहे, नंदलाल,
वृंदा,वन की कुञ्ज गलिन में ॥
वृंदा,वन की कुञ्ज गलिन में,
वृंदा,वन की कुञ्ज गलिन में ॥
अरे होली, खेल रहे...

संग, सखा, श्याम के आए,
रंग, भर, पिचकारी लाए ॥
हो, कर रहे,बुरो, हाल बेहाल,
वृंदा,वन की, कुञ्ज गलिन में,
अरे होली, खेल रहे...

चल, गली, रंगीली आए,
ढप, ढाल, मृदंग बजाए ॥
अरे, गावें, नाचें, तोरे ताल,
वृंदा,वन की, कुञ्ज गलिन में,
अरे होली, खेल रहे...

रंग, भर, पिचकारी मारें,
चुनर की, आब, बिगाड़ें ॥
हो मेरे, मुख पे, मलो गुलाल,
वृंदा,वन की, कुञ्ज गलिन में,,,
अरे होली, खेल रहे...

कभी, बंसी, मधुर बजावे,
कभी, भारी, रंग बरसावे ।
हो कभी, रंग, उड़ाए गुलाल,
वृंदा,वन की, कुञ्ज गलिन में,
अरे होली, खेल रहे...

नंद, गांव के, छैल बिहारी,
बर,साने की, राधा प्यारी ॥
हो हिल मिल, खेलें, गोपी ग्वाल,
वृंदा,वन की, कुञ्ज गलिन में,
अरे होली, खेल रहे...

ये छवि, निरखें, बनवारी,
सब, भक्त, बजावे ताड़ी ॥
अरे रे रंग, डाल रहे, सब ग्वाल,

वृदा,वन को, कुञ्ज गालेन मे,
अरे होली, खेल रहे...
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34534/title/holi-khel-rahe-nandlal-ram-avtar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |